प्राकृतिक पूंजी का विकास:

पर्यावरण प्रबंधन के प्रति यूनियन बैंक की प्रतिबद्धता

» *यूएनएसडीजी :*

» *कार्यनीति ब्लूप्रिंट:*

» *कारोबार मॉडल अवयव :*

3

» *तात्त्विक विषय:*

1, 3, 4, 6, 8, 9, 26, 27, 28, 30, 32, 33.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और कम-कार्बन वाली अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध है. वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने और पेरिस जलवायु समझौते के लक्ष्यों के साथ अपने वित्तपोषण पोर्टफोलियो को संरेखित करने की दृष्टि से, आपका बैंक सक्रिय रूप से समर्पित समितियों के माध्यम से सामाजिक और पर्यावरणीय मामलों की देखरेख करता है.अपनी कारोबारी कार्यनीति में पर्यावरणीय स्थिरता को एकीकृत करके, यूनियन बैंक हरित तकनीकियों के विकास का समर्थन करता है, स्थायी वित्त समाधान प्रदान करता है, और अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करता है.नवीकरणीय ऊर्जा ऋण में लक्ष्यों को पार करने सहित स्थायी वित्त में आपके बैंक की उपलब्धियां, स्वच्छ और हरित भविष्य के प्रति उसके समर्पण को दर्शाती हैं.

जलवायु कार्यनीति

जैसा कि दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव लगातार महसूस किए जा रहे हैं, हम देख रहे हैं कि हमारे कई ग्राहकों के कारोबार करने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव सामने आ रहे हैं.ये परिवर्तन एक बड़े आर्थिक बदलाव को प्रेरित कर रहे हैं क्योंकि डीकार्बोनाइजेशन की दिशा में तेजी आ रही है.कई लोगों के लिए, अब यह इस बारे में नहीं है कि यह परिवर्तन होगा या नहीं बल्कि यह कितनी जल्दी घटित होगा.

बोर्ड जलवायु परिवर्तन सहित सामाजिक और पर्यावरणीय मामलों की सीधे अनुश्रवण करता है.बोर्ड ने माना कि यूनियन बैंक जलवायु परिवर्तन से निपटने में वास्तविक योगदान दे सकता है और उसे कम-कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन में तेजी लाने में मदद करनी चाहिए.

एक स्थायी परिवर्तन का समर्थन करना

हमारे ग्राहकों और समुदायों को जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों के लिए तैयार होने में मदद करके.

जलवायु संबंधी जोखिमों का प्रबंधन करना

हमारी कंपनी को सामना करना पड़ रहा है, जिसमें भौतिक और संक्रमण जोखिमों से संबंधित जोखिम भी शामिल हैं.

हमारे पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करना

हमारे उद्यम में नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और अन्य परिचालन सुधारों के माध्यम से

प्राकृतिक पूंजी का विकास:

पर्यावरण प्रबंधन के प्रति यूनियन बैंक की प्रतिबद्धता

हम वर्ष 2070 तक नेट जीरो होने की दृढ़ महत्वाकांक्षा रखते हैं, और अपने वित्तपोषण पोर्टफोलियो को पेरिस जलवायु समझौते के लक्ष्यों के अनुरूप बनाने की हमारी प्रतिबद्धता है.हमारा लक्ष्य अपनी कारोबारी कार्यनीति को व्यक्तियों की जरूरतों और समाज के लक्ष्यों के अनुरूप और योगदान देने के लिए संरेखित करना है, जैसा कि सतत विकास लक्ष्यों, पेरिस जलवायु समझौते और प्रासंगिक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय ढांचे में व्यक्त किया गया है.

वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान, बैंक के बोर्ड ने कार्यकारी प्रबंधन स्तर पर एक समर्पित ईएसजी संचालन समिति के गठन के माध्यम से ईएसजी प्रतिबद्धताओं और प्रतिबंध के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए बोर्ड की हितधारक संबंध समिति को जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया, जिसमें बोर्ड और वरिष्ठ कार्यकारी प्रबंधन टीम के सदस्य शामिल होंगे.ईएसजी संचालन समिति, बदले में, बैंक के परिचालन स्तर पर एक ईएसजी सेल का गठन करेगी, जिसमें विभिन्न ईएसजी पहलुओं के अनुसंधान, लक्ष्य निर्धारण और कार्यान्वयन के लिए डोमेन विशेषज्ञता और विभागीय जिम्मेदारियों वाले बैंक के सदस्य होंगे.

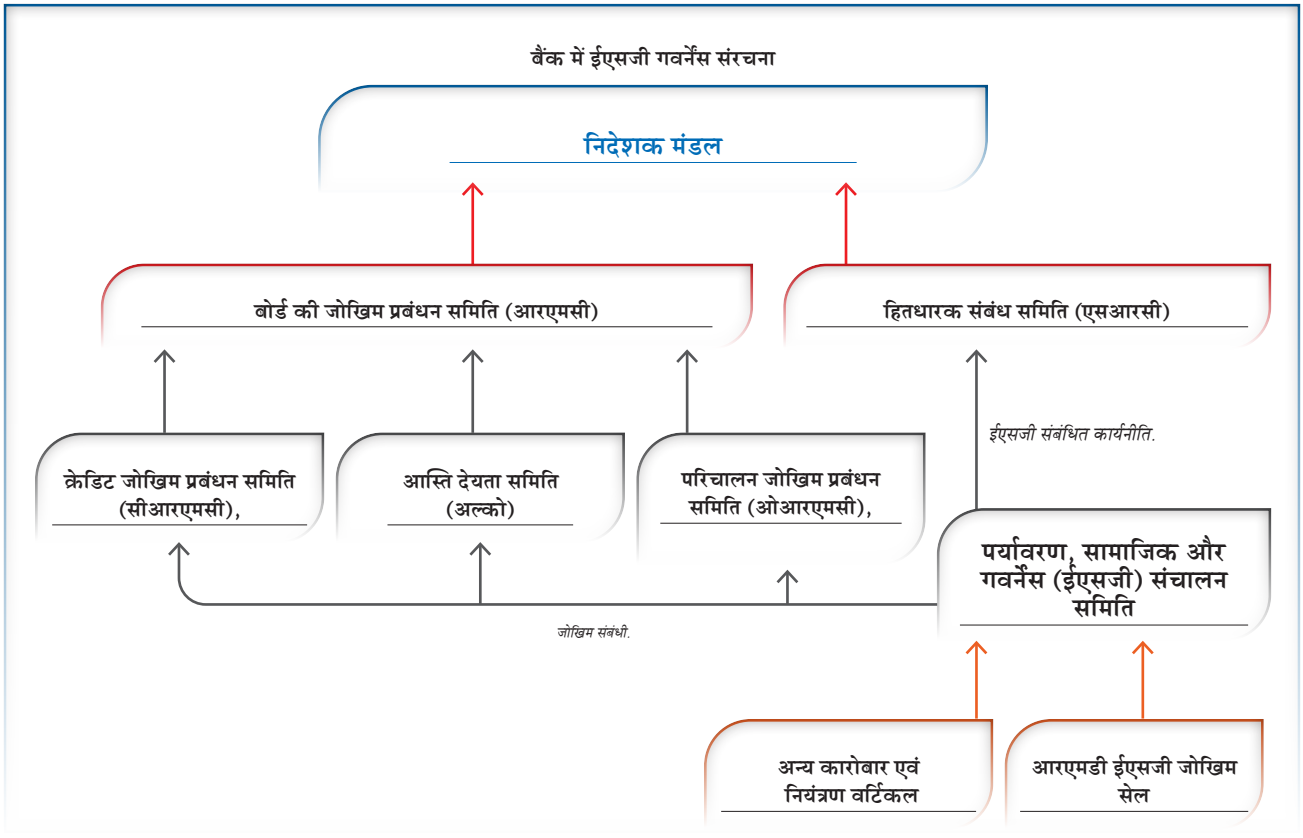

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ऐतिहासिक रूप से वित्तीय सेवा क्षेत्र में पर्यावरण नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध है. यह प्रतिबद्धता मजबूत समुदाय बनाने, अपने ग्राहकों को अच्छी सेवा प्रदान करने और आपके बैंक के लोगों के लिए सर्वाधिक मूल्यवान और विश्वसनीय बनने के हमारे लक्ष्य को हासिल करने की हमारी इच्छा में निहित है. हम अपनी समझ से प्रेरित हैं कि हमारे कारोबार के सभी पहलुओं में पर्यावरणीय स्थिरता को एकीकृत करने से दीर्घकालिक मूल्य बनता है और हम जिन समुदायों की सेवा करते हैं उन्हें मजबूत करता है. हम अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में परिवर्तन का समर्थन करने के लिए वित्तीय सेवा प्रदाताओं की आवश्यकता को पहचानते हैं. बैंकिंग नई तकनीकी के विकास का समर्थन करने, नए बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण और ग्राहकों को उनके परिचालन के बदलाव में मदद करने की कुंजी है.

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में, हमारी महत्वाकांक्षा स्पष्ट है - वर्ष 2070 तक नेट जीरो. सतत प्रथाओं के माध्यम से, हम एक ऐसे भविष्य को बढ़ावा दे रहे हैं जिस पर लोग भरोसा करते हैं और महत्व देते हैं, जिससे पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक विश्व की ओर परिवर्तन हो सके.

एक संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन

हमारी कारोबारी कार्यनीति भविष्य में एक समावेशी, टिकाऊ मार्ग को अपनाती है.हमारा मानना हैकि पूंजी सकारात्मक बदलाव की ताकत हो सकती है.हमारे बैंक का उद्देश्य संवहनीयता के प्रति हमारे दृष्टिकोण को प्रेरित करता है: हमारे ग्राहकों के जीवन और हमारे समुदाय की भलाई में सुधार करना.हम अपने सभी कारोबारों, उत्पादों और सेवाओं में अपने ग्राहकों के लिए यूनियन बैंक के क्लाइमेट और सतत वित्तीय वृद्धि के अवसरों की पहचान करने, उनमें तेजी लाने और बढ़ावा देने का इरादा रखते हैं.

परिवर्तन का वित्तपोषण

अल्प-कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन आज नवाचार और वृद्धि के लिए निर्णायक अवसर है.परिवर्तन का समर्थन करने के लिए जलवायु परिवर्तन से संबंधित वित्तपोषण की मांग को पूरा करने में सहायता प्रदान करके यूनियन बैंक के लिए अग्रणी भूमिका निभाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है.हम अल्प-कार्बन क्षमता एवं सामर्थ्य बनाने के लिए नई हरित तकनीकी और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश को निर्देशित कर रहे हैं.

यूनियन बैंक अपने ग्राहकों और समुदायों को निम्न-कार्बन, संवहनीय भविष्य की ओर बढ़ने और सकारात्मक सामाजिक परिणाम प्राप्त करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है.हम अपने ग्राहकों को उनकी बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करना चाहते हैं.हम अपने समुदायों को अधिक धारणीय और समावेशी समाधानों की ओर प्रेरित करने और समर्थन करने की आशा करते हैं.हम मानते हैं कि वित्तीय क्षेत्र बदलते परिवेश के अनुकूल बदलाव लाने और अधिक लचीला समुदाय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

निम्नलिखित तालिका नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को लक्षित सतत वित्त में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की उपलब्धियों को दर्शाती है:

सतत वित्त लक्ष्य	वित्तीय वर्ष 2022 में उपलब्धि	वित्तीय वर्ष 2023 में उपलब्धि
नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र	रु. 7,164 करोड़	रु. 10,370 करोड़

ये उपलब्धियाँ सतत वित्त के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को समर्थन देने की यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं.दोनों वित्तीय वर्षों में लक्ष्यों को पार करके, आपका बैंक देश को स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर ले जाने में सक्रिय रूप से योगदान देता है.

जलवायू जोखिम

यूनियन बैंक उन अर्थव्यवस्थाओं को बदलने के लिए आवश्यक हरित और सतत वित्त प्रदान कर रहा है जिनकी हम सेवा कर रहे हैं.हमारी कार्यनीति इस बात पर आधारित है कि हम जलवायु संबंधी जोखिम के प्रति अपने जोखिम का आकलन और प्रबंधन कैसे करते हैं.वर्ष 2022 से, यूनियन बैंक के उद्यम जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क के तहत जलवायु जोखिम को एक प्रमुख जोखिम के रूप में माना जा रहा है, आज यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भारतीय वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख संस्थानों में से एक है और एक संवहनीय एवं जलवायु-जोखिम-लचीला संगठन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.कारोबारी कार्यनीति, कारोबार प्रक्रियाओं, आंतरिक सुशासन (कारोबारी कार्यक्षेत्र, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन, और स्वतंत्र लेखापरीक्षा), नीतियों, ऋण रेटिंग/मूल्यांकन, प्रकटीकरण ढांचे डेटा प्रबंधन और बैंक की जोखिम संस्कृति में ईएसजी कारकों का सुचारु एकीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है.

प्राकृतिक पूंजी का विकास:

पर्यावरण प्रबंधन के प्रति यूनियन बैंक की प्रतिबद्धता

1. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 एवं स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी तीव्रता का विवरण

पैरामीटर	इकाई	वित्त वर्ष 22-23 (चालू वित्त वर्ष)	वित्त वर्ष 21-22 (विगत वित्त वर्ष)
कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (GHG का CO_2, CH_4, N_2O, HFCs, PFCs, SF_6, NF_3 में ब्रेक-अप, यदि उपलब्ध हो)	मीट्रिक टन CO_2 समतुल्य	274042	283485
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (GHG का CO_2, CH_4, N_2O, HFCs, PFCs, SF_6, NF_3 में ब्रेक-अप, यदि उपलब्ध हो)	मीट्रिक टन CO_2 समतुल्य	241884	193187

पैरामीटर	इकाई	वित्त वर्ष 22-23 (चालू वित्त वर्ष)	वित्त वर्ष 21-22 (विगत वित्त वर्ष)
कुल स्कोप 1 एवं स्कोप 2 उत्सर्जन प्रति करोड़ टर्नओवर	मीट्रिक टन / करोड़	6.39	7.02
कुल स्कोप 1 एवं स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक) - संबंधित मीट्रिक इकाई द्वारा चयन किया जा सकता है.	मीट्रिक टन / एफ़टीई	4.16	6.27

» स्कोप 1 उत्सर्जन की गणना प्रति वर्ग फुट क्षेत्र के आधार पर कुल एयर कंडीशनर टन भार और 5% की रिसाव दर और बैंक के स्वामित्व वाली कार और डीजी सेट में डीजल खपत के आधार पर की जाती है.

» स्कोप 2 उत्सर्जन की गणना उपयोगिता से खपत की गई बिजली के आधार पर की जाती है.

2. कुल ऊर्जा खपत (जूल या गुणज में) और ऊर्जा तीव्रता का विवरण

पैरामीटर	वित्त वर्ष 22-23 (चालू वित्त वर्ष)	वित्त वर्ष 21-22 (विगत वित्त वर्ष)
जीजे में कुल बिजली खपत (ए)	769900	755951
जीजे में कुल ईंधन खपत (बी)	110348	102140
जीजे में अन्य स्रोत के माध्यम से ऊर्जा खपत (सी)	12339	14515
जीजे में कुल ऊर्जा खपत (ए+बी+सी)	892587	872606
टर्नओवर का प्रति करोड़ ऊर्जा तीव्रता (कुल ऊर्जा खपत / टर्नओवर करोड़ में)	11.05	12.84
ऊर्जा तीव्रता (वैकल्पिक) - संबंधित मीट्रिक इकाई द्वारा चयन किया जा सकता है (प्रति पूर्णकालिक कर्मचारी एफ़टीई)	11.81	11.48

» खरीदी गई बिजली की खपत: खर्च की गई राशि के आंकड़ों का उपयोग करके खपत के आंकड़े निकालने में विभिन्न राज्यों की औसत दरों पर विचार किया जाता है.

» लीटर में डीजल की खपत की गणना औसत दर और खर्च की गई राशि के आंकड़ों को ध्यान में रखकर की जाती है.

बैंक अपने परिचालन में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक 2030 तक कार्बन-न्यूट्रल स्थिति हासिल करने का प्रयास करेगा और अपने उत्पादों और सेवाओं को संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ संरेखित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है. इसके अलावा, बैंक अपने ऋण, निवेश और परिचालन के सभी पहलुओं में जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों की पहचान करने और उन्हें कम करने के लिए प्रतिबद्ध है.

बैंक की जलवायु जोखिम प्रबंधन नीति का प्राथमिक उद्देश्य कारोबार में स्थिरता लाने और कम कार्बन एवं जलवायु-परिवर्तन परिचालन और निवेश की दिशा में एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना है. इस उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु, बैंक निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध है.

i. दोनों को सुनिश्चित करने के लिए सिस्टम-व्यापी कार्रवाई करना - जलवायु जोखिम के प्रति वित्तीय प्रणाली का लचीलापन और दिन-प्रतिदिन के परिचालन, लेंडिंग पोर्टफोलियो और समग्र निर्णय लेना के भीतर जलवायु-संबंधित जोखिम (और अवसर) विचारों को एकीकृत करके जलवायु जोखिम-संवेदनशील तरीके में वित्तीय प्रणाली का समर्थन.

ii. जलवायु-संबंधित जोखिम चालकों का आकलन करना, जिससे कार्यनीतिक, प्रतिष्ठित और नियामक अनुपालन जोखिम बढ़ सकता है, साथ ही जलवायु-संवेदनशील निवेश और कारोबार से जुड़ी देयता लागत भी बढ़ सकती है.

iii. सभी जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों की पहचान, निगरानी एवं प्रबंधन करें जो पूंजी संसाधनों एवं तरलता की स्थिति सहित वित्तीय स्थिति को ख़राब कर सकते हैं और समग्र कारोबारी कार्यनीतियों एवं जोखिम प्रबंधन ढांचे में जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों को शामिल कर सकते हैं.

iv. जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों की पहचान करना एवं मात्रा निर्धारित करना और उन्हें आंतरिक पूंजी और तरलता पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रियाओं में शामिल करना.

v. जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए पूरे संगठन में उचित नीतियां, प्रक्रियाएं और नियंत्रण लागू किए जाने चाहिए.

vi. पूरे संगठनात्मक ढांचे में जलवायु-संबंधी जोखिम प्रबंधन के लिए जिम्मेदारियों की पहचान करें और सदस्यों एवं समितियों को स्पष्ट रूप से जलवायु-संबंधी जिम्मेदारियां प्रदान करें और जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों की प्रभावी निगरानी करें.

vii. भारत की कार्यान्वित राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय नियामक आवश्यकताओं और: भारत द्वारा अनुसमर्थित प्रासंगिक पर्यावरणीय, सामाजिक, श्रम और जैव विविधता सम्मेलन को शामिल करना.

viii. जलवायु-संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण (टीसीएफडी), जलवायु जोखिम पर कार्यबल जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत दिशानिर्देशों का पालन करते हुए जलवायु जोखिम मूल्यांकन दृष्टिकोण को कार्यान्वित करना.

इस नीति के तहत जलवायु जोखिम प्रबंधन के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण के लिए जलवायु जोखिम के बहु-बिंदु प्रभावों की समझ की आवश्यकता है, साथ ही जलवायु जोखिम के प्रति वित्तीय प्रणाली की लचीलापन सुनिश्चित करना और दिन-प्रतिदिन के परिचालन, ऋण एवं निवेश पोर्टफोलियो और समग्र निर्णय लेने के भीतर जलवायु-संबंधी जोखिम (और अवसर) विचारों को एकीकृत करके संवेदनशील तरीके से जलवायु जोखिम में वित्तीय प्रणाली का समर्थन करना आवश्यक है.

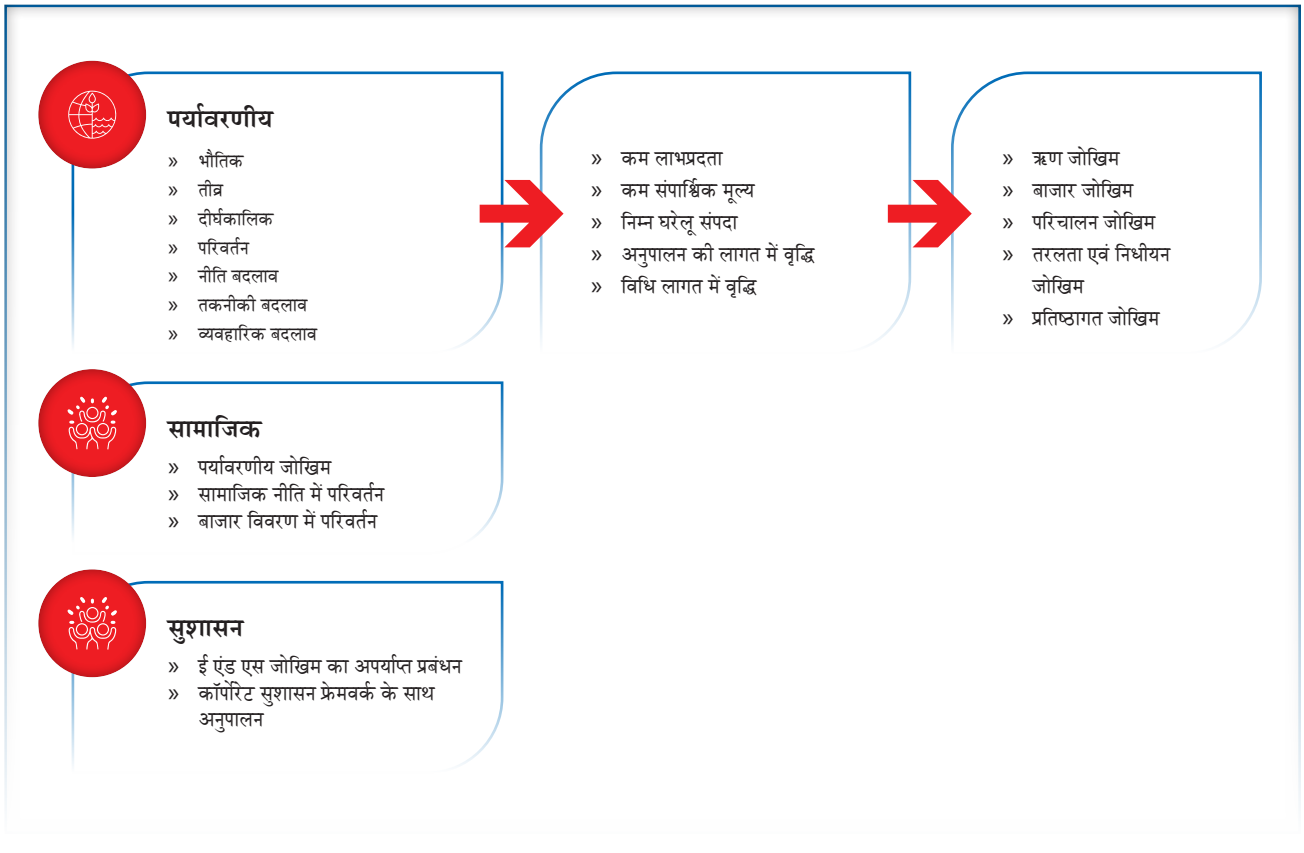

प्राकृतिक पूंजी का विकास:

पर्यावरण प्रबंधन के प्रति यूनियन बैंक की प्रतिबद्धता

जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन

जोखिम सुशासन

बैंक जलवायु जोखिम को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रभावी और मजबूत नियंत्रण के साथ सुशासन की सुदृढ़ प्रणाली अपना रहा है.सुशासन की प्रणाली बैंक के कारोबारों के परिचालन की प्रकृति, पैमाने और जटिलता के अनुरूप है.निदेशक मंडल, जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी), हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) और वरिष्ठ प्रबंधन जलवायु जोखिम-संबंधित मामलों पर निर्णय लेने वाले सबसे वरिष्ठ प्राधिकारी होंगे.

निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन स्पष्ट रूप से सदस्यों एवं समितियों को जलवायु-संबंधी जिम्मेदारियाँ सौंपेंगे और जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों की प्रभावी ढंग से निगरानी करेंगे.बैंक की सुस्थापित, मौजूदा जोखिम सुशासन संरचना का उपयोग जलवायु संबंधी जोखिमों के आकलन और प्रबंधन के लिए किया जाएगा, जिसमें मौजूदा सुशासन संरचना के प्रत्येक स्तर के माध्यम से जलवायु जोखिमों एवं अवसरों का मूल्यांकन और अनुश्रवण किया जाएगा.

जलवायु-संबंधी अवसर

चूंकि जलवायु परिवर्तन बैंक के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है लेकिन साथ ही, यह कई कारोबारी अवसर भी प्रदान करता है.कम-कार्बन परिवर्तन बैंक के लिए दक्षता, नवाचार और वृद्धि के अवसर उत्पन्न करता है.उभरते बाजारों में दीर्घकालिक परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए पूंजी की मांग बढ़ रही है जहां आर्थिक विकास और कम कार्बन तीव्रता वाली नीतियां जलवायु लचीलेपन को मजबूत करने की तात्कालिक आवश्यकता के साथ जुड़ी हुई हैं. जलवायु परिवर्तन के समायोजन और जलवायु क्षेत्रों में बदलाव से नए एवं विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की मांग पैदा होती है.इसके लिए बुनियादी ढांचे, जल-गहन उद्योगों और कृषि की लचीलापन बढ़ाने के उपायों में निवेश की आवश्यकता होगी.कृषि और खाद्य सुरक्षा में जलवायु, लचीली तकनीक और प्रथाओं में सूखा-सहिष्णु बीज, बेहतर सिंचाई प्रणाली और अधिक टिकाऊ भूमि प्रबंधन प्रथाएं शामिल हैं.उच्च वर्षा परिवर्तनशीलता को संबोधित करने के लिए जल प्रबंधन में घरों द्वारा वर्षा जल संचयन से लेकर संपूर्ण जलसंभरों के पारिस्थितिकी तंत्र आधारित अनुकूलन तक शामिल है.आपदा जोखिम में कमी के लिए जोखिम एवं भेद्यता आकलन, जलवायु सूचना और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली जैसे उपकरणों को तैनात करना शामिल है.कम-कार्बन निवेश की मांग में वृद्धि हुई है जिसका बैंक समर्थन कर सकता है. ऐसे कई अवसर हैं जिनका बैंक पता लगा सकती है, जिनमें शामिल है:

» ऊर्जा दक्षता, जो लाभप्रदता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता पर सकारात्मक प्रभाव डालती है और साथ ही, उसी समय ग्रिड पर अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता डालने के दबाव को कम या स्थगित कर देती है.

» नवीकरणीय ऊर्जा - नवीकरणीय ऊर्जा, और विशेष रूप से सौर फोटोवोल्टिक उत्पादन, दुनिया भर में पारंपरिक बिजली प्रणालियों को बाधित करने के लिए तैयार है.पारिवारिक या कारोबारों द्वारा प्रत्यक्ष निवेश का समर्थन करने या ऊर्जा सेवा प्रदाताओं को ऋण प्रदान करने के लिए बैंक के पास नवीन वित्तपोषण योजनाएं विकसित करने के कई अवसर हैं.रूफटॉप सौर सिस्टम लाखों परिवार और कंपनियों को बिजली उत्पादन की क्षमता प्रदान करते हैं.सोलर होम सिस्टम ऋण के साथ गृह बंधक ऋणों के संयोजन में वित्तपोषण का अवसर मौजूद है, जिसमें सौर वित्तपोषण को आसान बनाने की क्षमता है, साथ ही वित्तीय संस्थानों को बंधक प्रतिभूतिकरण से लाभ उठाने की अनुमति भी है.

एमएसएमई के लिए डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से क्लीनर तकनीकों को प्रोत्साहित करना

एक उल्लेखनीय पहल डिजिटल बैंकिंग समाधानों की शुरूआत है जो एमएसएमई ग्राहकों को डिजिटल रूप से ऋण के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाती है. स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) किशोर और तरुण मुद्रा ऋण के माध्यम से, आसानी से 10.00 लाख रुपये तक का वित्तपोषण करके कारोबार प्राप्त कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त, यूनियन नारी शक्ति और जीएसटी गेन ऋण भी डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं, जो महिला उद्यमियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं और क्लीनर तकनीकों को अपनाने की सुविधा प्रदान करते हैं. वित्तीय वर्ष 2023 में, बैंक द्वारा एमएसएमई को इन तरीकों से लगभग रु.1,25,022 करोड़ संवितरित किया गया है.

डिजिटल बैंकिंग समाधान एमएसएमई और महिला उद्यमियों के लिए सुविधाजनक वित्तपोषण विकल्प प्रदान कर वित्तीय परिदृश्य में क्रांति ला रहे हैं. ये पहल न केवल आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही हैं बल्कि क्लीनर तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं.

यूनियन सोलर

संवहनीयता को और बढ़ावा देने के लिए, यूनियन बैंक ने यूनियन सोलर लॉन्च किया है, जो एक विशेष उत्पाद है जिसका उद्देश्य कैप्टिव उपयोग के लिए सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को वित्तपोषित करना है. उधारकर्ताओं को गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन के लिए प्रोत्साहित करके, आपका बैंक कार्बन उत्सर्जन में कमी और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने में योगदान देता है. यूनियन सोलर उत्पाद आकर्षक सुविधाएँ प्रदान करता है, जैसे संपार्श्विक आवश्यकताओं की छूट और रियायती ब्याज दरें, जो इसे उधारकर्ताओं के लिए आकर्षक एवं लागत प्रभावी विकल्प बनाती है. वित्तीय वर्ष 2023 में, बैंक ने यूनियन सौर कार्यक्रम के तहत लगभग रु.105 करोड़ को मंजूरी प्रदान की है.

ये पहल पर्यावरणीय जिम्मेदारी और संवहनीय कार्यकलापों के प्रति यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं, संसाधनों के कुशल उपयोग को बढ़ावा देती हैं और हरित एवं अधिक संवहनीय भविष्य की ओर परिवर्तन का समर्थन करती हैं.

जोखिम प्रबंधन के उपाय और कार्यनीतियाँ

जोखिम सहनीयता: जलवायु जोखिम प्रबंधन की दिशा एवं प्रभावशीलता बैंक के कॉर्पोरेट लक्ष्यों, जोखिम सहनीयता और जोखिम संस्कृति से निकटता से जुड़ी हुई है.जलवायु जोखिम प्रबंधन ढांचे में पांच अलग-अलग बिल्डिंग ब्लॉक शामिल हैं, अर्थात ए) जोखिम माप, बी) आंतरिक नियंत्रण, सी) जोखिम रिपोर्टिंग और निगरानी, डी) मैट्रिक्स और लक्ष्य, और ई) प्रकटीकरण.

जोखिम माप: टीसीएफडी ने जलवायु से संबंधित जोखिमों और अवसरों का एक मूल्यवान शब्दकोष प्रदान किया है, जो परिवर्तन (नीति, बाजार, तकनीक एवं प्रतिष्ठा) और भौतिक (पुरानी एवं गंभीर) जोखिमों को रेखांकित करता है जो किसी संगठन की दीर्घकालिक स्थिरता और वित्तीय कार्यनिष्पादन को प्रभावित कर सकते हैं. इन जोखिमों तथा अवसरों को और अधिक विघटित किया जा सकता है और मूल्यांकन किए जा रहे कारोबार के संदर्भ में रखा जा सकता है.बैंक लघु, मध्यम और दीर्घावधि में ऋण देने और अन्य वित्तीय मध्यस्थ कारोबारी गतिविधियों पर (संक्रमण एवं भौतिक) जलवायु संबंधी जोखिमों के प्रभाव का आकलन करने के लिए विभिन्न मैट्रिक्स का उपयोग करेगा.मैट्रिक्स ऋण एक्सपोजर, इक्विटी एवं ऋण होल्डिंग, या व्यापारिक स्थिति, उद्योग द्वारा ब्रोकेन-डाउन, भूगोल, ऋण गुणवत्ता (जैसे- निवेश ग्रेड या गैर-निवेश ग्रेड, आंतरिक रेटिंग प्रणाली), औसत अवधि, अन्य से संबंधित हो सकते हैं.

वित्तीय प्रकार	प्रभावित श्रेणी	प्रभाव
तुलन पत्र	» आस्तियां » देयताएं » पूंजी एवं वित्तपोषण	**आस्तियों पर प्रभाव** » अपने कारोबार परिचालन में उचित जलवायु जोखिम प्रबंधन का पालन करने वाली कंपनियों को ऋण प्रदान कर से आय में वृद्धि. » उन परियोजनाओं के वित्तपोषण के कारण आय में वृद्धि जिनमें सतत वित्त की संभावना है जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन, हरित भवन, स्थिर कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन आदि. » गंभीर भौतिक जोखिमों के कारण होने वाले विभिन्न व्यवधानों के कारण आय का नुकसान. **देयताओं पर प्रभाव** » जलवायु परिवर्तन संबंधी मुकदमों के कारण कानूनी रिकोर्स से संबंधित देयताओं में वृद्धि हो सकती है. » जलवायु-संबंधित खतरों के कारण जमाकर्ताओं द्वारा अचानक बड़े पैमाने पर जमा निकासी के कारण चलनिधी प्रभावित हो सकती है. **पूंजी एवं वित्तपोषण पर प्रभाव** » जलवायु संबंधी जोखिम के कारण होने वाली हानि या बैंक के व्यय में वृद्धि के कारण बैंक का पूंजी रिजर्व प्रभावित हो सकता है.
आय विवरण	» राजस्व » व्यय	राजस्व पर प्रभाव व्यय पर प्रभाव